अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : बारहवीं – जैन सिद्धान्त शास्त्री (परीक्षा 16 जुलाई, 2017)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से कम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) तीर्थंकर भगवान उपदेश देते हैं -

(क) केवल अर्थरूप (ख) केवल सूत्र रूप

(ग) उभय रूप (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(b) आचारांग सूत्र में कुल अध्याय हैं -

(क) 24 (ख) 25

(ग) 85 (घ) 78 ( )

(c) तत्त्वार्थ सूत्र में नाम कर्म के भेद बताये गये हैं -

(क) 93 (ख) 103

(ग) 42 (घ) 97 ( )

(d) दर्शन या वाणी से दूसरों को पराजित करने वाला कर्म है -

(क) आतप (ख) उपघात

(ग) पराघात (घ) तीर्थंकर नाम ( )

(e) संवर के विस्तार से कितने भेद होते हैं -

(क) 07 (ख) 12

(ग) 20 (घ) 69 ( )

(f) याचना परीषह किस कर्म के कारण होता है-

(क) अन्तराय (ख) मोहनीय

(ग) वेदनीय (घ) ज्ञानावरणीय ( )

(g) नारकी जीवों में समुच्चय बन्ध है-

(क) 100 प्रकृतियाँ (ख) 99 प्रकृतियाँ

(ग) 101 प्रकृतियाँ (घ) 97 प्रकृतियाँ ( )

(h) आहारक काय योग में गुणस्थान होता है -

(क) छट्ठा (ख) सातवाँ

(ग) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(i) तीसरे गुणस्थान में आयु का बंन्ध होता है -

(क) चारों आयु (ख) देव व नारक

(ग) मनुष्य (घ) किसी भी आयु का बंध नहीं ( )

(j) जल + ओह = जलोह में सन्धि है -

(क) लोप (ख) असमान

(ग) दीर्घ (घ) गुण सन्धि ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) आचारांग गद्य-पद्यात्मक अंगशास्त्र है। ( )

(b) आचारांग के चौथे अध्ययन का नाम लोकसार है। ( )

(c) राजा प्रदेशी श्वेताम्बिका नगरी का अधिपति था। ( )

(d) तत्त्वार्थ के अनुसार प्रकृति बंध के आठ मूल तथा 97 उत्तर भेद हैं। ( )

(e) प्रत्याख्यानावरण कषाय विरति का प्रतिबंध करता है। ( )

(f) शीतल शरीर में उष्ण प्रकाश का नियामक कर्म उद्योत है। ( )

(g) जिसमें सर्वज्ञता प्रकट हो गई हो, उसे स्नातक निर्ग्रन्थ कहते हैं। ( )

(h) जाति चतुष्क का बन्ध पहले गुणस्थान तक होता है। ( )

(i) प्राकृत में प्रायः व्यंजन संधि का अभाव होता है। ( )

(j) वायुकाय उच्च गोत्र का बंध नहीं करता है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मेरा एक नाम आचाल भी है। .....

(b) मैं राजा प्रदेशी का सारथी हूँ। .....

(c) मेरे उदय से जीव को साता का अनुभव होता है। .....

(d) मैं एक ऐसी कषाय हूँ, जो कि जीव को सम्यक्त्व की प्राप्ति नहीं होने देती हूँ। .....

(e) मेरे उदय से जीव के वचन बहुमान्य होते हैं। .....

(f) मेरे निमित्त से अदर्शन परीषह होता है। .....

(g) मैं एक ऐसी आयुकर्म की प्रकृति हूँ, जिसका बंध सातवें गुणस्थान तक होता है। .....

(h) मैं एक ज्ञान हूँ, जो कि 6 से 12 गुणस्थान तक ही रहता हूँ। .....

(i) मैं एक शरीर हूँ, मेरा बंध संयम सापेक्ष है। .....

(j) मैं किसी क्रिया का आधार हूँ व्याकरण में मुझे क्या कहते हैं ? .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **आचारांग सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध के नौ अध्ययनों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(b) **अंग साहित्य में आचारांग का सर्वप्रथम स्थान क्यों है ?**

.....

.....

© **आचारांग के किस अध्ययन का नाम आवंति भी है व क्यों है ?**

.....

.....

(d) **''उद्देसो पासगस्स णत्थि'' इस सूत्र का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(e) **''उट्ठिते णो पमादए'' इस सूत्र का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(f) **''णो लोगस्सेसणं चरे'' सूत्र का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(g) **श्वेताम्बिका नगरी के अधिपति का नाम एवं स्वभाव लिखिए।**

.....

.....

(h) **कर्म बंध के हेतुओं के नाम लिखिए।**

.....

.....

(i) **मिथ्यात्व मोहनीय किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(j) **'तपसा निर्जरा च' सूत्र का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(k) **अनुप्रेक्षा किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(l) **''कृत्स्नकर्मक्षयो मोक्षः'' सूत्र का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(m) **अम्हम्मि करूणा अत्थि। इस वाक्य का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।**

.....

.....

(n) **निम्न में सन्धि कीजिए।**

1 **णव+एला** .....

2 **स+अहीणे** .....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **जे अज्झत्थं जाणति से बहिया जाणति, जे बहिया जाणति से अज्झत्थं जाणति। इस सूत्र का अर्थ स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) **किन कारणों से नरक गति में उत्पन्न हुए जीव मनुष्य लोक में नहीं आ सकते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(c) **कौन-कौनसी दस बातें हैं जो छद्मस्थ जीव नहीं देख पाते, किन्तु केवलज्ञानी देख सकते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(d) **''सुत्ता अमुणी मुणिणो सया जागरंति'' सूत्र का आशय लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **संज्ञा का अर्थ बताते हुए उसके प्रकार एवं सोलह भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **भगवान महावीर के ध्यान की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **आठ कर्मों की जघन्य स्थिति लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **दुःख उत्पत्ति के प्रमुख कारण क्या हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(i) **सिद्धों के आत्म प्रदेशों की अवगाहना कितनी होती है ?**

.....

.....

.....

.....

(j) **ज्ञान मार्गणा का बंध स्वामित्व लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **आहारक मार्गणा का बंध स्वामित्व लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **शुक्ल लेश्या का बंध स्वामित्व लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(m) **परिहार विशुद्ध संयम एवं सूक्ष्म संपराय संयम का बंध स्वामित्व लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(n) **निम्न वाक्यों का प्राकृत में अनुवाद कीजिए।**

स्वामी में दया है। .....

राजा का पुत्र हँसता है। .....

आँख से आँसू गिरता है।.....

.....